साईं साईं जपते जपते

साईं साईं जपते जपते मैं खुद साईं हो जाती हु
साईं से जो सिखा वो तुम्हे बताती हु
साईं साईं जपते जपते मैं खुद साईं हो जाती हु

देना हो तो दीजिये प्रेम दया दान में
पब्दीं में पड़ जाता है आदमी घुमान में
सत साईं रटते रटते साईं नाम जपते जपते मैं कमली हो जाती हु
साईं से जो सिखा वो तुम्हे बताती हु
साईं साईं जपते जपते मैं खुद साईं हो जाती हु

इक जगह से आये हो उतरे इक ही घाट पे,
हवा संसार की पट गए धर्म और जात पे
इक ही मालिक सब का इक हिमत बतलाती हु
साईं से जो सिखा वो तुम्हे बताती हु
साईं साईं जपते जपते मैं खुद साईं हो जाती हु

तू भी साईं मैं भी साईं जाने जानन हारा
साईं सागर तू है बूंद रूप वो तुम्हारा,
साईं जी का बन के प्यारा साईं में ही समाती हु
साईं से जो सिखा वो तुम्हे बताती हु
साईं साईं जपते जपते मैं खुद साईं हो जाती हु

Source: https://www.bharattemples.com/sai-sai-jpte-jpte/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw